अर्हम्

जय गुरु वख्तावर | जयश्रमण संघ | जय मरुधर केशरी | जय अंबेश

# श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, साण्डेराव (राज.)

पूज्य गुरुदेवों के मुंबई पदार्पण के उपलक्ष में

## गुरु गुण स्मरणांजलि एवम् गुरु स्मृति आदेश समारोह

रविवार, दि. १५ मई २०११, प्रात: ९.३० बजे
स्थल - आचार्य महाप्रज्ञ हॉल
(आचार्य महाप्रज्ञ विद्यानिधी फाउण्डेशन)
दादीशेठ अगियारी लेन, कालबादेवी रोड, मुंबई ४०० ००२.

आमंत्रण

पू.श्री वख्तावरमलजी म.

पू.श्री सौभाग्य मुनिजी

पू.श्री रुपचंदजी म.

पू.श्री मदनमुनिजी म.

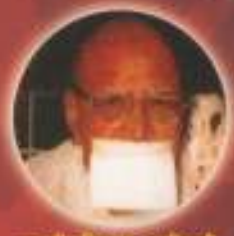
पू.श्री विनय मुनिजी

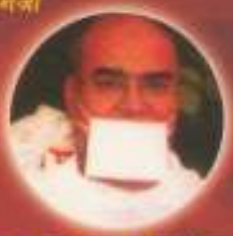
पू.श्री गौतममुनिजी म.

पू.श्री कन्हैयालालजी म.

निमंत्रक: श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, साण्डेराव (राज.)
कमल विहार, फालना रोड, साडेराव – फोन : 02938 244778

# अप्रमत्त ज्ञानयोगी उपाध्यायप्रवर श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'

जहा पोमं जले जायं, नोवलिप्पइ वारिणा।
एवं अलित्तं कामेहिं, तं वयं बूम माहणं॥

इस संसार में अनेक प्राणी जन्म लेते हैं और मरण की शरण में चले जाते हैं किन्तु कुछ ऐसे विलक्षण महापुरुष होते हैं जो संसार रूपी जल एवम् कामभोगरूपी कीचड़ से उत्पन्न होने पर भी 'कमल' की तरह विषय वासना से सदा अलिप्त रहते हैं, श्रुतज्ञानरूपी सूर्य से खिले-खिले रहते हैं। ऐसे महापुरुषों की श्रृंखला में अप्रमत्त ज्ञानयोगी **उपाध्यायप्रवर स्व. श्री कन्हैयालाल जी म.सा. 'कमल'** का नाम चिरकाल तक सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगा, जिन्होंने श्रुतज्ञान की सेवा एवं जिनशासन की प्रभावना में अपने पूरे संयम जीवन को शासन के चरणों में समर्पित कर दिया।

णमोकार मंत्र के चौथे पद को गौरवान्वित करने वाले यथा नाम तथा गुण ऐसे महापुरुष का जन्म केकींद (जसनगर) जिला-नागौर (राज.) में वि.सं. १९७० में चैत्र सुदी ९ (रामनवमी) के शुभ दिन राजपुरोहित परिवार में हुआ। एक होनहार पुत्र के जन्म से पिताजी श्री गोविन्दसिंहजी एवं माता श्रीमती यमुनादेवी के हृदय में अपार प्रसन्नता हुई। सात वर्ष की उम्र में आप श्री स्वामीदासजी म.सा. की परम्परा के प्रभावशाली संत श्री फतेहचन्द जी म.सा. एवं श्री प्रतापमल जी म.सा. के सम्पर्क में आए। 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' इस सूक्ति के अनुसार आपकी भवितव्यता को जानकर पूज्य गुरु भगवन्तों ने आपको अपने पास रख लिया। ११ (ग्यारह) वर्ष तक वैराग्यकाल के दौरान आपने हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत, न्याय, व्याकरण, आगम, ज्योतिष शास्त्र आदि का गहन अध्ययन किया एवं सांडेराव, जिला-पाली (राज.) की पावन धरा पर वैशाख सुदी ८ वि.सं. १९८८ के शुभ दिन आपका भव्य दीक्षा महोत्सव सम्पन्न हुआ।

दीक्षा के पश्चात आपने आगमों का तलस्पर्शी अध्ययन किया एवं आगमों के सम्पादन में प्रवृत्त हुए। आचारांग, सूत्रकृतांग, समवायांग, प्रश्नव्याकरण, चार छेद सूत्र, चार मूल सूत्र आदि १४ आगम शुद्ध मूल पाठ में निकाले। जैनागमों के विविध विषयों की विस्तृत विषय सूचि का संकलन 'जैनागम निर्देशिका' ग्रन्थ में किया। स्थानांग, समवायांग, दशाश्रुतस्कन्ध, बृहत्कल्प, व्यवहार आदि सूत्र सानुवाद प्रकाशित कराये।

एक जर्मन विद्वान की प्रेरणा से अनुयोग का विशाल एवं अति महत्वपूर्ण कार्य प्रारम्भ किया। ५० से भी अधिक वर्षों तक इस भगीरथ कार्य में लगन पूर्वक जुटे रहे एवं अनेक विघ्न बाधाओं के उपरांत भी इस महायज्ञ को सम्पन्न करके ही चैन की सांस ली। आगमों में वर्णित प्रत्येक विषय की सम्पूर्ण जानकारी चार अनुयोगों में संकलित की। १. धर्मकथानुयोग २. गणितानुयोग ३. चरणानुयोग ४. द्रव्यानुयोग मूल एवं हिन्दी में अनुवाद सहित ८ भागों में तथा गुजराती में ११ भागों में प्रकाशित हुए हैं। अनुयोग का यह अनुपम कार्य जिनशासन में श्रुतसेवा के लिए आपके द्वारा प्रदत्त एक अनूठा एवं अविस्मरणीय योगदान है।

इसके उपरान्त मूल सुत्ताणि, भाव कहानियाँ, स्वाध्याय सुधा, सदुपदेश सुमन आदि अनेक स्वाध्यायोपयोगी सत्साहित्य का प्रकाशन आगम अनुयोग प्रकाशन परिषद्, सांडेराव तथा आगम अनुयोग ट्रस्ट, अहमदाबाद द्वारा हुआ है।

स्वाध्याय की आपकी उत्कृष्ट साधना से प्रभावित होकर आचार्य श्री देवेन्द्रमुनिजी म.सा. ने पौष सुदी १४ वि.सं. २०५० में उदयपुर में आपको श्रमण संघ के उपाध्याय पद से गौरवान्वित किया। श्रद्धेय उपाध्यायप्रवर मात्र स्थानकवासी सम्प्रदाय के ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जैन जगत् के महान् विद्वान्, संयमनिष्ठ संतरत्न थे। निरभिमानता, निरहंकारिता, निस्पृहता, सहिष्णुता एवं सरलता आपके स्वाभाविक गुण थे। युवावस्था में ही विगय त्याग, एक समय आहार एवं वर्षीतप तप से आत्मा के तेज को प्रखर किया। जीवन की पिछली अवस्था में १८ वर्षों तक अन्न-जल का त्याग कर केवल गौ दुग्ध एवं फल रस पर ही निर्वाह किया।

आबूपर्वत आपकी अंतिम साधना स्थली रही है जहाँ पर ३२ वर्ष पूर्व आपकी प्रेरणा से श्री वर्धमान महावीर केन्द्र की स्थापना हुई। आपकी ही प्रेरणा से तीर्थधाम अम्बाजी में अखिल जैन भवन व नासिक शहर के समीप देवलाली में श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र और राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ में श्री महावीर कल्याण केन्द्र की भी स्थापना हुई। आपके हृदयस्पर्शी सुंदर प्रवचनों का संकलन गुजराती में 'कमल प्रसादी' व हिन्दी में 'कमल वाणी' में संग्रहित है।

" कमल गुरु संदेश "

कीचड़ में ही कमल खिले, फिर भी रहे निर्लेप
पू. गुरुवर कमल की यही सीख संक्षेप ॥ कुसुम ॥

## समारोह अध्यक्ष

श्रीमान नवनीतभाई सी. पटेल (अध्यक्ष–आगम अनुयोग ट्रस्ट, अहमदाबाद)

## मुख्य अतिथि

श्रीमान सुमतिलालजी कर्नावट (अध्यक्ष–भारत जैन महामण्डल)

श्रीमान शांतिलालजी नाहर (उपाध्यक्ष–अखिल भारतीय जैन कान्फ्रेन्स)

श्रीमान सवलवीरसिंहजी राणावत (सरपंच –साण्डेराव पंचायत समिती)

श्रीमान किशोरजी खीमावत (समाजसेवी–खीमेल/मुंबई, अध्यक्ष–खीमावत ट्रस्ट)

## सम्माननीय अतिथि

श्रीमान अक्षयकुमारजी सामसुखा, मुंबई
श्रीमान चम्पालालजी धनराजजी मेहता, मुंबई
श्रीमान किशोरभाई खेताणी, मुंबई
श्रीमान कमलेशभाई एन. शाह, मुंबई
श्रीमान मूलचन्दजी नाहर, मुंबई
श्रीमान मगनलालजी मेहता, (सांडेराव) मुंबई
श्रीमान रतनचन्दजी पुनमिया, (सांडेराव) मुंबई
श्रीमान नगराजजी मेहता, मुंबई
श्रीमान प्रविणभाई मेहता, (देवलाली) मुंबई
श्रीमान प्राणलालजी सेठ वेकरीवाला, मुंबई
श्रीमती रूपाबेन शैलेशभाई मेहता, मुंबई
श्रीमती ललिताबेन सोनी, मुंबई
श्रीमान गुलाबचन्दजी जैन, (अंबाजी) मुंबई
श्रीमान किशोरकुमारजी तातेड, भिवण्डी
श्रीमान टेकचन्दजी सिंघवी, मुंबई
श्रीमान कान्तिलालजी जैन, मुंबई
श्रीमान पारसमलजी छाजेड, मुंबई
श्रीमान हुकमीचन्दजी कोठारी, सूरत
श्रीमान महेन्द्रकुमारजी ठाकुरगोता, सूरत
श्रीमान जे.बी.शाह, (धानेरा) सूरत
श्रीमान भरतभाई बंबोरी, सूरत
श्रीमान मोहनलालजी एल. राठोड, पूना
श्रीमान प्रकाशजी सिंघवी, (फतेहनगर) सूरत
श्रीमान दिलीपजी चांदमलजी पुनमिया, मुंबई
श्रीमान एन.के.छाजेड, उदयपूर
श्रीमान मोठालालजी कावेडिया, पूना
श्रीमान केवलचन्दजी पुनमिया, मुंबई
श्रीमान मीठालालजी सिंघवी, मुंबई
श्रीमान गिरधारीलालजी कोठारी, मुंबई
श्रीमान भवरलालजी पालरेचा, मुंबई
श्रीमान नरेशजी लोढा, मुंबई
श्रीमान किशनलालजी बोहरा, वसई
श्रीमान मोतीलालजी कोठारी, मुंबई
श्रीमान रिखबचन्दजी सांखला, मुंबई
श्रीमान मोहनलालजी बाफना, भिवंडी
श्रीमान महेन्द्रजी पगारिया, मुंबई
श्रीमान संजयजी डांगी, मुंबई

## मंच संचालन - सुप्रसिद्ध वक्ता श्री ओमप्रकाशजी आचार्य, फालना (राज.)

माननीय श्रीमान , सादर जयजिनेन्द्र ।

परम हर्ष सह आपको सूचित करते है कि वचनसिद्धयोगी तपस्वी श्री बख्तावरमलजी म.सा. की तपोभूमि एवं आगम अनुयोग प्रवर्तक उपाध्यायप्रवर पंडितरत्न मुनि श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल' की दीक्षाभूमि सादड़ी सण्डेराव की पावन धरा पर पू. उपाध्याय श्री के असीम उपकार से उनके आदर्शों और सुकृत्यों की अनंत अनुमोदना स्वरूप स्थापित 'कमल विहार' संकुल के हृदय समान श्रद्धाकेन्द्र 'गुरु कमल स्मृति' का भव्य निर्माण सम्पन्न हो गया है ।

अरावली (महादेव) पर्वत की तलहटी में बसी सण्डेराव नगरी एक ऐतिहासिक एवम् आध्यात्मिक तपोभूमि है । साधना और साधना से परिपूर्ण शुद्ध स्थानकवासी धर्म की प्रभावना करनेवाले वचनसिद्धयोगी तपस्वी श्री बख्तावरमलजी म.सा. की यह पुण्यभूमि है । इसी तरह स्वामीजी श्री मोतीलालजी म.सा. (लोकमान्य संत वरिष्ठ प्रवर्तक श्री रूपचंदजी म.सा. 'रजत' के गुरुदेव), आगम अनुयोग प्रवर्तक पू. उपाध्यायश्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल', तपस्वी श्री प्रवीण मुनिजी (राष्ट्रसंत श्री गणेशमुनिजी म. शास्त्री के सुशिष्य) एवम् सण्डेराव के ही सकरिया परिवार के बंधुद्वय मुनिश्री फूलचंदजी एवं श्री सागर मुनिजी आदि अनेक संयमी आत्माएँ यहाँ प्रव्रजित हुई है ।

श्रमण सूर्य मरूधर केसरी श्री मिश्रीमलजी म.सा., पूज्य गुरुदेव श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल' आदि विद्वान गुरु भगवन्तों के अनेक यशस्वी चातुर्मास यहाँ सम्पन्न हुए है । सन् १९७२ में आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. के सान्निध्य में राजस्थान प्रांतीय श्रमण संघ का साधु सम्मेलन आयोजित करने का सौभाग्य भी हमारे संघ को प्राप्त हुआ है ।

पूज्य गुरुदेव उपाध्याय प्रवर श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल' की असीम अनुकम्पा एवं वात्सल्यभाव हमारे संघ पर रहा है और उनके अनन्य व अनन्त उपकारों को हम कभी विस्मृत नही कर सकते । पू. गुरुदेव के आदर्शों को साकार करने और उनकी पावन स्मृति को स्थायी रूप देने के लिये 'कमल विहार संकुल' निर्माण का बीज लोकमान्य संत वरिष्ठ प्रवर्तक श्री रूपचन्दजी म.सा. 'रजत' एवं पू. गुरुदेव के अन्तेवासी सुशिष्य परम सेवाभावी श्री विनयमुनिजी 'वागीश' की प्रेरणा से सन् २००२ में सण्डेराव फालना रोड पर १५ बीघा जमीन उपलब्ध कर बोया गया । मरूधराभूषण उ. प्र. सलाहकार श्री सुकनमलजी म.सा. एवं महासतीवृन्द श्री निराकसाहनाजी आदि ठाणा के सान्निध्य में भव्य शिलान्यास सम्पन्न हुआ । 'कमल विहार' राजस्थान के गोड़वाड़ क्षेत्र में अहमदाबाद - पाली राजमार्ग पर नाकोड़ा- राणकपुर- सिरोही- पाली चौराहे के समीप एक महत्वपूर्ण पावन विहार धाम है और गोड़वाड़ क्षेत्र में स्थानकवासी परंपरा का एक गौरवशाली संस्थान है। इस पावन धरा पर अनेक संत- सतियों, महात्माओं के पावन चरण कमल पड़े है जिससे यहाँ की पुण्यवानी में अपार अभिवृद्धि हुयी है ।

कमल विहार संकुल के निकट ही पू. स्वामीजी श्री मोतीलालजी म.सा. एवम् पू. उपाध्यायश्री की स्मृति में 'गुरु मोती कमल कन्हैया गौशाला' का निर्माण भी हो रहा है जो १२.५० बीघा विस्तार में फैला हुआ है ।

ऐसे प्राकृतिक सौन्दर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर तीर्थ स्वरूप पवित्र संकुल का उद्घाटन दि. ३१.०१.२००९ के शुभ दिन हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ । उद्घाटन के मंगल प्रसंग को हमारे सकलेचा परिवार के कुलरत्न मुमुक्षु श्री फूटरमलजी एवम् मुमुक्षु श्री सागरमलजी के महामांगलिक भव्य दीक्षा प्रसंग ने चार चाँद लगा दिये जो परम सौभाग्य से हमारे संघ को प्राप्त हुआ । यहाँ पर संकुल के तीन भव्य द्वार, कार्यालय, प्याऊ, उपकरण भंडार, पक्षीघर, सुविधायुक्त अतिथि आवास गृह (कमल कुंज व कमल दर्शन), विशाल भोजन शाला, शीतल जल गृह, पाकशाला, विविध्दलकी सभागृह, गोदाम इत्यादि महत्वपूर्ण निर्माण सम्पन्न हो चुके है । भविष्य मे उपाश्रय, लायब्रेरी, चिकित्सालय आदि वैयावच्च, ज्ञान, ध्यान एवं पारमार्थिक प्रवृत्तियो हेतु निर्माण की योजनाएं विचाराधीन है । यह स्थल विहार मे विचरते साधु साध्वी भगवंतो के लिये अत्यंत उपयोगी एवं अनुकूल है साथ ही साथ यात्रियो के ठहरने के लिये भी अतिउपयुक्त है। यहाँ पर पू. गुरुदेव द्वारा संपादित आगम अनुयोग एवम् अन्य साहित्य वितरण की व्यवस्था भी है ।

कमल-स्मृति जिसका निर्माण बहुत समय से चल रहा था वह पूर्ण होने जा रहा है व शीघ्र ही उसका उद्घाटन समारोह आयोजित होना है । यह स्थल हमारी अनन्त आस्थाओं का केन्द्र है । यहाँ पर बैठकर साधक सामायिक, माला, ध्यान, स्वाध्याय आदि प्रवृत्ति करेंगे, व प्रतिवर्ष सैकडो संत - सतियाँ व हजारो भाविक गुरुभक्त लाभ लेंगे ।

अत: दि. १५ मई २०११, रविवार वैशाख सुद १३ के शुभ दिन 'गुरु गुण स्मरणांजलि एवं गुरु स्मृति आदेश समारोह' का भव्य आयोजन मुंबई के 'महाप्रज्ञ हॉल' मे श्रमण संघीय महामंत्री श्री सौभाग्य मुनिजी 'कुमुद', प्रवर्तक श्री मदनमुनिजी, उपप्रवर्तक श्री विनयमुनिजी 'वागीश', उपप्रवर्तक मधुर व्याख्यानी श्री गौतममुनिजी 'गुणाकर' तपस्वी श्री संजयमुनिजी 'सरल', सेवारत्न श्री फूलचंदजी म., तत्व चिंतक श्री सागरमुनिजी म., परम विदुषी श्री अनुपमाजी म. स्वाध्यायप्रेमी विरती साधना जी, सेवाभावी शुभसाधना जी, विनयप्रेमी जिनेश्वराजी आदि महासतीयाण के सान्निध्य मे रखा गया है । इसके अतिरिक्त 'कमल स्मृति' के मुख्य सौजन्यदाता का चढावा होगा व आदेश होंगे । स्मृति के साथ जल गृह, गोदाम, भंडारगृह, पाकशाला, कमरों इ. के आदेश भी दिये जायेंगे । इसी अवसर पर उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल' संपादित 'सुयगडांग सूत्र' गुटका एवम् श्री विनय गौतम विहार मार्गदर्शिका का विमोचन रखा गया है । इस शुभ अवसर पर सपरिवार, इष्टमित्रों सहित पधारे व पू. गुरुदेवों के प्रवचन का लाभ लेवें । अत एव आप इस अवसर पर सपरिवार पधारकर अपनी गुरुभक्ति का परिचय देवे यही हमारी करबद्ध प्रार्थना है । 'कमल विहार' के निर्माण मे प्रारंभिक सहयोगी, सहयोगी सदस्य, निर्माणों के लाभार्थी व भूतपूर्व ट्रस्टीगण एवम् तन - मन - धन से सहयोग प्रदान करने वाले गुरु भक्तों का हम अन्त:करण पूर्वक आभार प्रकट करते है ।

दर्शनाभिलाषी,

ट्रस्ट मण्डल,

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, साण्डेराव

(कमल विहार, साण्डेराव)

# 'कमल-विहार' के वर्तमान वास्तविक छायाचित्र

## श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, साण्डेराव

'कमल-विहार', फालना रोड, साण्डेराव, जि.पाली, (राज.) – 306708. फोन : 02938-244778

अध्यक्ष : शा. जयन्तिलाल देवीचन्दजी साकरिया
उपाध्यक्ष : शा. खीमराज मिश्रीमलजी साकरिया
मंत्री : शा. हस्तीमल जुहारमलजी साकरिया
सह-मंत्री : शा. अशोककुमार उम्मेदमलजी साकरिया
कोषाध्यक्ष : शा. शांतिलाल कालुरामजी साकरिया
सह-कोषाध्यक्ष : शा. मनोहरलाल मूलचंदजी साकरिया

ट्रस्टी :

शा. जयन्तिलाल मेघराजजी
शा. मोहनलाल भीमराजजी
शा. रमेशकुमार पुखराजजी
शा. रमेशकुमार हिम्मतमलजी
शा. विजयकुमार भीकमचंदजी
शा. भरतकुमार फूटरमलजी
शा. केवलचंद केसरीमलजी
शा. केवलचंद मूलचंदजी
शा. अशोककुमार मोहनलालजी
शा. गिरिशकुमार कुन्दनमलजी

## स्वागत कर्ता

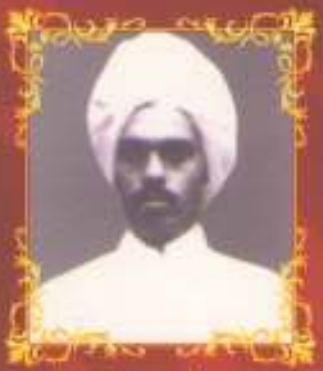

स्व. श्री फोजमलजी पुनमचंदजी

# शा. हीराचंद फोजमलजी साकरिया परिवार

स्व. श्रीमती हुलासीबाई फोजमलजी

स्व. फोजमलजी, स्व. निहालचंदजी, सागरमलजी, स्व. सुकनराजजी, हीराचन्द,
अमृतलाल, देवराज, राजेन्द्रकुमार, दिलीप कुमार, नरेश कुमार, प्रकाशचन्द्र,
विपुलकुमार, संजयकुमार, सुमित कुमार, यश
शा. हीराचंद फोजमलजी एवं समस्त (चोवटिया) साकरिया परिवार, साण्डेराव

## गौतम प्रसादी के लाभार्थी परिवार

स्व. श्री हिम्मतमलजी प्रेमचंदजी

# श्रीमती चंपाबाई हिम्मतमलजी सोलंकी परिवार

श्रीमती चंपाबाई हिम्मतमलजी

(साण्डेराव) हाल कुलाबा, मुंबई

बेटा-पोता : फुटरमल, विमलकुमार, रमेशकुमार, सोहनलाल, प्रमोदकुमार,
भँवरलाल, सुरेशकुमार, हितेष, रवि, रोनक, राहुल, मयांक
एवम् समस्त साकरिया सोलंकी परिवार

फर्म :

## शा. हिम्मतमलजी प्रेमचंदजी ॲण्ड कं

कुलाबा (मुंबई)

पुत्र – कुंदनमल, पारसमल, छगनलाल, शंकरलाल, रमेश, विवेक

पौत्र – गिरिश, मनसुख, जलेश, डिसपाल, रिंकेश, केतन, चिंतन, प्रसिध्द

प्रपौत्र – जशित, रिद्धांश, ध्रुवित

पौत्र वधु – हिना-डिसपाल, आशिका – रिंकेश, डॉली – केतन

प्रपौत्री – मिश्री, किया, जसलीन

## पुत्र स्व. श्रीमान शा. पुखराजजी रिखबाजी नगाजी साकरिया परिवार का

# जय जिनेन्द्र

फर्म :

**आर. पी. ज्वेलर्स** (कुलाबा)

ला फिट लाईटिंग प्राइवेट लिमीटेड (कुलाबा)